



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

22 पौष 1944 (श०)  
(सं० पटना 50) पटना, वृहस्पतिवार, 12 जनवरी 2023

सं० 2/आरोप-01-06/2022-22530/सा0प्र0  
सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचना  
15 दिसम्बर 2022

श्री गोपाल शरण (बि०प्र०से०), कोटि क्रमांक 660/19, माननीय मंत्री के तत्कालीन आप्त सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना सम्प्रति विशेष कार्य पदाधिकारी, पंचायती राज विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 6460 दिनांक 22.08.2022 द्वारा आरोप-पत्र उपलब्ध कराया गया। श्री शरण के विरुद्ध मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना से उपलब्ध कराये गये आरोप-पत्र के आधार पर विभागीय स्तर पर आरोप-पत्र गठित कर अनुशासनिक प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

श्री शरण के विरुद्ध आरोप है कि :-

- (1) विधान सभा बजट सत्रावधि में दिनांक 14.03.2022 से 25.03.2022 तक आकस्मिक अवकाश लेकर राज्य से बाहर जाने की अनुमति मांगी गयी, परन्तु माननीय मंत्री द्वारा उन्हें सत्रावधि की समाप्ति के पश्चात् आकस्मिक अवकाश में जाने का आदेश दिया गया।
- (2) श्री शरण द्वारा माननीय मंत्री के आदेश का अवहेलना कर आकस्मिक अवकाश का आवेदन देकर राज्य से बाहर प्रस्थान कर गये। उल्लेखनीय है कि राजपत्रित एवं घोषित अवकाश को मिलाकर एक बार में अधिकतम 10 दिन आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने का प्रावधान है। विधान सभा बजट सत्रावधि जैसे महत्वपूर्ण समय पर बिना अनुमति अवकाश पर प्रस्थान करना एक अत्यन्त ही गंभीर मामला है। ये उनके अनुशासनहीनता, कर्तव्यहीनता और आदेशोल्लंघन का परिचायक है।

विभागीय पत्रांक 17781 दिनांक 29.09.2022 द्वारा श्री शरण के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों पर स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री शरण के पत्रांक 01(कैम्प) दिनांक 02.11.2022 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया, जिसमें उनके द्वारा अपने उपर लगाये गये आरोपों से इनकार किया गया है। उनके द्वारा लगाये गये आरोप को निराधार एवं साक्ष्य विहीन एवं नियम विरुद्ध होने के कारण खारिज करते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अनुरोध किया गया।

श्री शरण के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप एवं उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण की सम्यक समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री शरण द्वारा विधान सभा बजट सत्रावधि में माननीय मंत्री द्वारा आकस्मिक अवकाश पर जाने से मना करने के बावजूद भी दिनांक 14.03.2022 से 25.03.2022 तक आकस्मिक अवकाश का आवेदन देकर राज्य से बाहर चले गये। श्री शरण द्वारा माननीय मंत्री

के निदेशों का अवहेलना की गयी। साथ ही नियम विरुद्ध 10 दिन से अधिक अवधि के लिए आकस्मिक अवकाश पर चले जाना नियम विरुद्ध भी है। श्री शरण का यह आचरण एक वरीय पदाधिकारी के कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीनता को दर्शाता है। श्री शरण का यह कृत्य बिहार आचार नियमावली, 1976 के नियम-3(1) के संगत प्रावधानों का उल्लंघन है।

अतः वर्णित तथ्यों के आलोक में प्रतिवेदित आरोपों की गंभीरता को देखते हुए श्री गोपाल शरण (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 660/19, माननीय मंत्री के तत्कालीन आप्त सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना के स्पष्टीकरण को अस्वीकार करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14 के संगत प्रावधानों के तहत "निन्दन (आरोप वर्ष 2022-23)" एवं "असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि पर रोक" का दंड अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया।

अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री गोपाल शरण (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 660/19, माननीय मंत्री के तत्कालीन आप्त सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना सम्प्रति विशेष कार्य पदाधिकारी, पंचायती राज विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध निम्नलिखित शास्ति अधिरोपित किया जाता है :-

- (i) "निन्दन (आरोप वर्ष 2022-23)"
- (ii) असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि पर रोक

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
शिवमहादेव प्रसाद,  
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 50-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>